ORIGINAL RESEARCH PAPER

Geography

सड़क दुर्घटनाएँ : कारण एवं निदान (ग्वालियर शहर के विशेष संदर्भ में)

KEY WORDS:

डॉ. प्रेम सिंह जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

प्रस्तावना :

सड़क दुर्घटना वह घटना है जिसमें कम से कम एक वाहन या व्यक्ति दुर्घटना ग्रस्त हो जाता है, जिसमें एक व्यक्ति घायल या मृत हो जाता है। सड़क दुर्घटना कहलाती है। अधिकतर सड़क दुर्घटनाएँ में वाहनों के अचानक टकरा जाने के कारण, सड़क पर तेज गति के कारण नियंत्रण खो जाने के कारण, अचानक किसी जानवर का सड़क पर आ जाने के कारण, स्टेरिंग या ब्रेक फेल हो जाने के कारण, किसी चलते वाहन का अचानक टायर अधिक दवाव के कारण फट जाने, क्षमता से अधिक माल या सवारी बैठाने के कारण, तेजी से वाहन आगे निकालने का कोशिश के कारण वाहन या कोई व्यक्ति दुर्घटना का शिकार हो जाता है जिसे सड़क दुर्घटना कहते हैं।

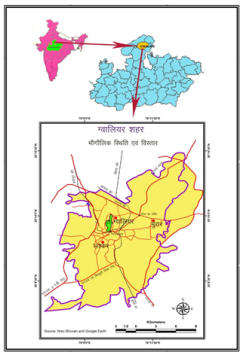

सड़क दुर्घटना ऐसी दुखद घटना होती है जिसके घटित होते समय हमारा अपना कोई नजदीकी रिस्तेदार घटना स्थल पर आवश्यकता के समय समीप उपस्थित नही होता है। और न ही समय पर इलाज मिल पाता है। जब तक कोई सगा सम्बंधी घटना स्थल पर पहुँचता है तब तक तो घायल का बहुत खून बह चुका होता है। वो व्यक्ति जिंदगी और मौत से लड़ रहा होता है।

प्रस्तुत शोध पत्र का प्रमुख उद्देश्य यातायात के प्रति लोगों में जागरूकता लाना एवं सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के प्रमुख उपाय देना है। एवं शासन एवं प्रशासन का ध्यान सड़क सुरक्षा की तरफ खीचना है जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीय समंकों का संकलन विभिन्न विभागों में जाकर संकलित कियें। समंकों को प्रदर्शित करने के लिए सारणी का उपयोग किया गया।

ग्वालियर शहर मध्य प्रदेश राज्य के उत्तरी भाग में 26°12" उत्तरी एवं 78°10" पूर्वी देशांतर पर स्थित हैं। समुद्र तल से लगभग 211.520 मीटर की ऊँचाई पर स्थित हैं। ग्वालियर शहर का नाम 'ग्वालियापा' नामक ऋषि के नाम पर पड़ा।

ग्वालियर शहर को 'गालव ऋषि की तपोभूमि' एवं संगीत सम्राट 'तानसेन की नगरी' के नाम से भी जाना जाता हैं।

ग्वालियर शहर तीन प्रमुख उपनगरों से मिलकर बना हैं। जिसमें उत्तर दिशा में प्राचीन ग्वालियर, दक्षिण दिशा में लश्कर, एवं पूर्व दिशा में मुरार स्थित हैं। वर्ष 2014 तक शहर में नगर निगम सीमा का कुल क्षेत्रफल 42,335 वर्ग किलोमीटर एवं कुल जनसंख्या वर्ष 2011 के अनुसार 10,54,420 थी। दिसम्बर 2014 के संशोधन के अनुसार ग्वालियर नगर निगम की सीमा के अंतर्गत जनसंख्या बढ़कर 11,59,032 हो गयी एवं नगर निगम के 60 वार्ड से बढ़कर 66 वार्ड किये गयें।

18 बी शताब्दी में सूरज सेन द्वारा स्थापित ग्वालियर शहर दिल्ली–मुम्बई और दिल्ली–चेन्नई रेलमार्ग पर स्थित हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक –03 (आगरा–मुम्बई), राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक –75 (ग्वालियर–झाँसी) एवं राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक –92 (भिण्ड–भौगाँव) के मिलन बिन्दु पर ग्वालियर शहर स्थित हैं। ग्वालियर शहर से दक्षिण दिशा में सिथौली औद्योगिक क्षेत्र, उत्तर दिशा में बानमौर (मुरैना) औद्यौगिक क्षेत्र, एवं पूर्व दिशा में मालनपुर (भिण्ड) औद्यौगिक क्षेत्र, यानि कि तीनों दिशाओं से ग्वालियर शहर उद्योगों से घिरा हुआ हैं। ग्वालियर शहर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया हवाई अड्डा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के देखरेख में संचालित हैं। ग्वालियर शहर से दिल्ली, मुम्बई के लिए हवाई सेवा उपलब्ध हैं।

ग्वालियर शहर में सड़क दुर्घटनाएँ
वर्ष 2008–2018

वर्ष	कुल दुर्घटनाओं की संख्या	कुल घायलों व्यक्तियों की संख्या	कुल मृत व्यक्तियों की संख्या
2008	1713	1843	186
2009	1839	1563	223
2010	2207	1627	281
2011	2030	1626	248
2012	1974	1444	232
2013	1934	1470	247
2014	1959	1630	220
2015	2140	1703	265
2016	1993	1694	244
2017	2156	1793	317
2018	2104	1703	294

सड़क दुर्घटनाओं के कारण :

- वाहनो की अधिक गति
- गुणवत्तायुक्त सड़कों का अभाव
- डिवाइडर का अभाव
- अधिक घुमावदार मार्गों के मोड़ों का पाया जाना
- अप्रशिक्षित चालक
- सिग्नल्स एवं सड़क संकेतकों का अभाव
- वाहनों के अनुपात में मार्गों की कम चौड़ाई
- भारी वाहनों का शहर में प्रवेश
- अपर्याप्त यातायात पुलिस बल
- निजी वाहनों का अधिक प्रयोग
- ओवर लोडिंग एवं ओवर टेकिंग
- पार्किंग स्थलों की अपर्याप्तता
- आवारा पशुओं का मार्गों पर पाया जाना
- फुटपाथ का अभाव
- अतिक्रमण की व्यापकता
- अपशिष्ट पदार्थो का मार्गो पर निस्तारण
- हेलमेट एवं शीट बेल्ट का कम उपयोग
- शराब पीकर वाहन चलाना
- वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग
- जनजागरूकता का अभाव
- प्रभावी नियम कानूनों का अभाव

सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उपाय :

सड़क दुर्घटनाओं को रोका नही जा सकता फिर भी सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के कुछ उपाय है जिनको आत्मसात करके निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के प्रमुख उपाय निम्नानुसार हैं –

- वाहनो को गति सीमा में चलाना चाहिए।
- गुणवत्तायुक्त सड़कों का निर्माण करके।
- आवश्यकतानुसार डिवाइडर का निर्माण करना चाहिए।
- सड़कों के मोड़ो को मानक के अनुसार बनाना चाहिए।
- सभी वाहन चालकों का एक निश्चित अवधि के प्रशिक्षण के उपरांत ही वाहन चलाने का लाइसेंस देना बनाना चाहिए।
- आवश्यकतानुसार सिग्नल्स एवं सड़क संकेतकों को लगाया जाना चाहिए।
- वाहनों के अनुपात में मार्गों की पर्याप्त चौड़ाई वाले मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिए।
- भारी वाहनों का शहर में पूर्णतः प्रवेश बर्जित होना चाहिए।
- पर्याप्त यातायात पुलिस बल की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- निजी वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनों का अधिक उपयोग करना चाहिए।
- ओवर लोडिंग एवं ओवर टेकिंग की पूर्णतः निगरानी होनी चाहिए।
- पार्किंग स्थलों की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए।
- आवारा पशुओं का मुख्य सड़कों पर प्रतिबंध होना चाहिए।
- व्यस्त मुख्य मार्गों पर आवश्यकतानुसार फुटपाथ का निर्माण किया जाना चाहिए।
- शहर की सड़को को अतिक्रमण मुक्त करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- अपशिष्ट पदार्थो का मार्गो पर डालना पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।
- हेलमेट एवं शीट बेल्ट का उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- शराब पीकर वाहन चलाने वालों की सतत् निगरानी की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- वाहन चलाते समय मोबाईल का एवं डेग का उपयोग पूर्णतः वर्जित किया जाना चाहिए।
- सड़क सुरक्षा के लिए जनजागरूकता का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।
- यातायात सम्बंधी कानूनों को तोड़ने वालों के खिलाप कड़ी से कड़ी सजा एवं अधिक जुर्माना लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ :

1. ग्वालियर विकास योजना (2021) प्रारूप
2. नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय, ग्वालियर
3. नगर निगम कार्यालय, ग्वालियर
4. यातायात पुलिस, ग्वालियर

5. कुरैशी नईम (2000) : ग्वालियर का इतिहास, राकेश पुस्तक सदन, रानी लक्ष्मी बाई मार्केट, ग्वालियर (म.प्र.)
6. शर्मा अलका (1997) : नगर यातायात एवं दैनिक यात्रा की समस्याएँ – बृहत्तर ग्वालियर के विशेष संदर्भ में; अप्रकाशित शोध ग्रंथ, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
7. सिंह प्रेम (2018) : ग्वालियर शहर में प्रस्तावित मार्ग योजनाएँ एवं यातायात प्रणाली – एक भौगोलिक अध्ययन; अप्रकाशित शोध ग्रंथ, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
8. दैनिक भास्कर, दैनिक समाचार प्त्र, ग्वालियर नगर संस्करण
9. पत्रिका, दैनिक समाचार पत्र, ग्वालियर नगर संस्करण
10. नई दुनिया दैनिक समाचार पत्र, ग्वालियर नगर संस्करण